# नदी / एनीकट के समीप स्थित ग्रामों के तालाबों को सौर प्रणाली के माध्यम से भरे जाने की योजना।

तालाब भरो योजना

छत्तीसगढ़ ग्रामों से परिपूर्ण प्रदेश है, यहां की अधिकतम आबादी ग्रामों में निवास करती है। राज्य के लगभग सभी ग्रामों में पर्याप्त संख्या में तालाब निर्मित हैं। ये तालाब न केवल ग्रामों की सुंदरता को बढ़ाते हैं, अपितु ग्रामीणों के रोजमर्रा के निस्तारी हेतु जल की जरूरत को भी पूरा करते हैं, जैसे सामान्यतः ग्रामों में निवासरत् परिवार स्नान के साथ-साथ कपड़े धोने हेतु आवश्यक जल की पूर्ति तालाब से ही करते हैं, जंगली पशु-पक्षी तो तालाबों पर निर्भर रहते ही हैं साथ ही ग्रामीणों के मवेशी भी तालाब का ही पानी पीते हैं, इन मवेशियों के रोजाना साफ-सफाई के लिए आवश्यक जल की पूर्ति भी इन्हीं तालाबों के माध्यम से ही संभव हो पाती है। ग्रामों में तालाबों का महत्व बहुत अधिक है, ग्रामों की संस्कृति तालाब से जुड़ी होती है और यह ग्रामीणों का अभिन्न अंग है।

प्रदेश में तालाबों की संख्या बहुतायत में है, ठीक उसी प्रकार नदी-नाले एवं अन्य सतही जलस्त्रोतों की संख्या भी राज्य में बहुत अधिक है, राज्य में नदियों के प्रवाह क्षेत्र में नदी के जल को एकत्रित करने के उद्देश्य से काफी मात्रा में एनीकट एवं बैराज भी निर्मित किये गये हैं, जिनमें से बहुत से एनीकटों में साल भर जल उपलब्ध रहता है, इसके ठीक विपरित ग्रामों के तालाबों में साल भर जल उपलब्ध नहीं हो पाता, कुछ तालाब तो जनवरी-फरवरी माह में ही सूख जाते हैं। इन कारणों से विभिन्न प्रयोजनों हेतु उन तालाबों पर आश्रित ग्रामीणों को विकट समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण व्यवस्थाओं को साल भर सुचारु ढंग से चलायमान रखने तथा भूमिगत जल के स्तर को बनाये रखने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि, ग्रामों के निकट स्थित नदी / एनीकट में उपलब्ध जल से उक्त ग्रामों के तालाबों को सौर प्रणाली के माध्यम से भरा जाए।

CREDA

छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा)

ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

श्री भूपेश बघेल

माननीय मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

Toll Free No. 18001234591

Log on: www.creda.co.in

व्ही.आई.पी.रोड, ऊर्जा शिक्षा उद्यान के पास, फुण्डहर चौक, रायपुर (छ.ग.)

# तालाब भरो योजना

सौर प्रणाली के माध्यम से तालाब भरे जाने की योजना को वर्ष 2020-21 से लागू किया गया है एवं इस योजना के अंतर्गत 10 एच.पी. क्षमता के न्यूनतम 02 नग सोलर पंपों की स्थापना कर ग्रामों के निकट स्थित नदी / एनीकटों में उपलब्ध जल को लिफ्ट कर अण्डरग्राऊंड पाईप लाईन के माध्यम से तालाबों को भरे जाने का कार्य किया जाता है। इस योजना के तहत् भरे जाने वाले तालाब से ग्रामवासियों द्वारा निस्तारी व अन्य कार्यों के साथ-साथ तालाब के निकट स्थित 02 से 12 हेक्टेयर तक के कृषि भूमि में सिंचाई सुविधा का लाभ ग्रामवासियों द्वारा लिया जा सकता है तथा योजना में ऐसे ही ग्रामों का चयन किया जाता है, जिसकी जलस्त्रोत नदी / एनीकट से अधिकतम दूरी 1500 मीटर हो।

स्थापित परियोजनाओं का 05 वर्षीय रखरखाव क्रेडा द्वारा किया जाता है तथा परियोजनाओं के स्थापना के 05 वर्ष पश्चात् योजना अंतर्गत स्थापित संयंत्रों, पाईप लाईन व अन्य कार्यों का रख रखाव स्थानीय स्तर पर समिति गठित कर किया जाना है।

अब तक प्रदेश के 7 ग्रामों के 11 तालाबों को भरे जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्ष 2021-22 में 31 ग्रामों के 46 तालाबों को भरे जाने का कार्य प्रगति पर है।

इस योजना अंतर्गत आगामी तीन सालों में प्रदेश के 100 ग्रामों के 120 तालाबों को भरे जाने की लक्ष्य रखा गया है।

ग्राम- ठाकुराईनटोला, जिला- दुर्ग